

असाधाररा EXTRAORDINARY

भाग 1—खण्ड 1 PART 1—Section 1

श्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 39] नई बिस्सी, बृहस्पतिवार, फरवरी 19, 1987/माघ 30, 1908 No. 39] NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 19, 1987/MAGHA 30, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन को रूप में रखा का सकते ।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विधि और स्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 19 फ़रवरी, 1987

संकल्प

सं. एफ. 6(15)/86-म्राई. सी. :—केन्द्रीय सरकार, विधिक सहायसा स्कीम का प्रतुपालन करने के लिए सॉमित को पुनर्गठित करने वाले प्रपने तारीख 15 अक्तूबर, 1985 के सं. एफ. 6(18)/85—प्राई. सी. वाले

सरकारी संकल्प के मागत: उपांतरण में इसके द्वारा तुरंत प्रभाव देते हुए श्री न्यायमूर्ति रघुनंदन स्वरूप पाठक, भारत के मुख्य न्यायमूर्ति, का श्री न्यायमूर्ति प्रफुलचंद्र नटवरलाल भगवती, भारत के गूर्व मुख्य न्यायमूर्ति, केस्थान पर विधिक महायता स्कीम के अनुपालन के लिए समिति काष्रधान संरक्षक नियुक्त करती है।

पी. के. कर्ता, सचिव

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 19th February, 1987

RESOLUTION

No. F. 6(15) |86-IC.—The Central Government in partial modification of Government Resolution No. F. 6(18) |85-IC dated 15th October, 1985 reconstituting the Committee for Implementing Legal Aid Schemes, hereby appoints with immediate effect Shri Justice R. S. Pathob, Chief Justice of India, as the Patron-in-Chief of the Committee for Implementing Legal Aid Schemes in place of Shri Justice P. N. Bhagwati, former Chief Justice of India.

P. K. KARTHA, Secy.